हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 1 | अंकः 44 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार 11 मार्च से 17 मार्च 2022

महाराष्ट्र में OBC आरक्षण का मुद्दा गरमाया

असेंबली में हंगामा, बुलाई गई कैबिनेट की बैठक

मुंबई. महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महा विकास आघाड़ी (टश्अ) सरकार और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने उच्चतम न्यायालय द्वारा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अंतरिम रिपोर्ट खारिज करने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा में शुक्रवार को एक-दूसरे को दोषी ठहराया. इस रिपोर्ट में सिफारिश की गई थी कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़े समुदाय को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा सकता है. विधानसभा में सदस्य इस कदर नारेबाजी कर रहे थे कि विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरि जिरवाल को दो बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी. एक बार 20 मिनट के लिए और फिर पूर्ण प्रश्नकाल तक सदन की कार्यवाही स्थगित की गई.

इस मामले पर चर्चा के लिए महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे आज शाम 6 बजे राज्य कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करेंगे. विधानसभा की बैठक शुरू होते ही विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण का मुद्दा कार्य स्थगन नोटिस के माध्यम से उठाया. पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि इस मुद्दे को चर्चा के लिए उठाया जाए और बाकी मुद्दों पर बाद में बहस हो. उन्होंने कहा कि जब तक ओबीसी का आरक्षण बहाल नहीं हो जाता, तब तक राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव नहीं होने चाहिए. फडणवीस ने आयोग की अंतरिम रिपोर्ट को मजाक करार दिया. जिसे शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया था. उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में आंकड़े कब एकत्रित किए गए, उससे जुड़ी कोई तारीख नहीं थी और न ही उस पर किसी के हस्ताक्षर थे. राज्य के वकील यह बताने में नाकाम रहे कि किस आधार पर 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की गई है.

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस को मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया

मुंबईः महाराष्ट्र में मुंबई पुलिस ने बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस और पार्टी के अन्य नेताओं को हिरासत में लिया है। ये नेता महाराष्ट्र के मंत्री व एनसीपी नेता नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध मार्च निकाल रहे थे। गौरतलब है कि महाराष्ट्र भाजपा पिछले काफी समय से नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग को लेकर अड़ी हुई है। दाऊद इब्राहिम मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने नवाब मलिक को हिरासत में लिया था। कोर्ट ने मलिक को ईडी की हिरासत में भेजा था। इधर, मलिक के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा महाराष्ट्र की उद्धव सरकार पर लगातार दबाव बना रही है। वहीं, एनसीपी कह चुकी है कि वह मलिक का इस्तीफा किसी भी कीमत पर नहीं लेगी।

देवेंद्र फड़णवीस ने गत दिनों किसानों के मुद्दे पर राज्य की उद्धव ठाकरे सरकार को घेरते हुए उनके बिजली के कनेक्शन काटे जाने की निंदा की थी। उन्होंने कहा

कि इस कारण किसानों को आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ रहा है। कुछ दिन पहले ही 23 वर्षीय किसान सूरज जाधव ने फेसबुक लाइव पर आत्महत्या कर ली थी। मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में यह मामला उठाते हुए फड़णवीस ने कहा कि बिजली कनेक्शन कटने से सूरज जाधव को लगा कि अब उसकी फसल पूरी तरह नष्ट हो जाएगी। उसने फेसबुक लाइव पर सरकार को दोषी ठहराते हुए आत्महत्या की।

फड़णवीस के अनुसार, इस सरकार ने सूरज जाधव को आत्महत्या के लिए मजबूर किया। राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने आश्वासन दिया था कि आपके पास जो कुछ हो, उतना बिल भरो। हम मई तक आपको राहत देंगे।

किसान कर्ज माफी योजना में 45000 खाताधारकों ने नहीं किया लाभ का दावा

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार किसान कर्जमाफी योजना के तहत किसानों के बकाया का भुगतान कर रही है, लेकिन वह एक असामान्य स्थिति का सामना भी कर रही है क्योंकि लगभग 45,000 पात्र खाताधारक अब तक योजना के लाभ के लिए दावा करने के लिए आगे नहीं आए हैं. महात्मा ज्योतिबा फुले योजना का मकसद राज्य में किसानों के कर्ज के बोझ को कम करना है.

राज्य सहकारिता मंत्री बालासाहेब पाटिल ने बताया, ह्यकिसानों के ऐसे करीब 45,000 बैंक खाते हैं जिन्होंने फसल ऋण लिया है और कर्ज को समय पर चुका नहीं पाए हैं. वे फसल ऋण माफी योजना के पात्र हैं, लेकिन खाताधारक लाभ का दावा करने के लिए आगे नहीं आए हैं. इसलिए ये कर्ज माफ नहीं किया जाएगा.पाटिल ने कहा कि यह खाताधारक का काम है कि वह बैंक जाकर अपना दावा जमा कराए. उन्होंने कहा, ह्यअगर वे आगे आते हैं और दावा करते हैं तो राज्य उनके आवेदन पर विचार करेगा.ह्व सहकारिता विभाग में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुछ खातों को लेकर परिवार में विवाद है. उन्होंने कहा, ह्यकुछ मामलों में खाताधारक की मौत हो गई है और मृतक के बेटे को कर्ज विरासत में मिला है. वे योजना के लाभ का दावा करने के लिए तब तक आगे नहीं आते जब तक कि वे इस बात पर सहमत न हों कि कर्ज के बोझ को कैसे साझा किया जाए.ह्वपाटिल ने कहा कि राज्य ने 32.82 लाख बैंक खाकों की पहचान की है जो कर्ज माफी योजना के पात्र हैं और उनमें से 32.37 लाख ने संबंधित बैंक के साथ आधार सत्यापन पूरा करा लिया है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 20,250 करोड़ रुपये बैंक को स्थानांतरित कर दिए हैं .

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और उनके पुत्र नितेश से नौ घंटे तक पूछताछ

कहा-अमित शाह को फोन करने के बाद ही हमें छोड़ा गया

मुंबईः दिशा सालियान की मौत मामले में मुंबई पुलिस के सामने पेश हुए केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने रविवार को आरोप लगाया कि मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने दिशा सालियान की मां को उकसाया। इसके बाद दिशा की मां ने मानहानि का मामला दर्ज कराया। बालीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के बारे में कथित रूप से गलत सूचना फैलाने के मामले में नारायण राणे और उनके विधायक बेटे नितेश राणे बयान दर्ज करवाने के लिए शनिवार को मुंबई पुलिस के सामने पेश हुए थे। मालवणी थाने में करीब नौ घंटे तक पूछताछ चली। राणे ने मालवणी से निकलते समय मीडियाकर्मियों से कहा कि मैने अमित शाह से फोन पर बात की। इसके बाद ही हमें छोड़ा गया।नारायण राणे ने कहा कि मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने दिशा सालियान की मां को उकसाया था, जिसके बाद उन्होंने मानहानि की शिकायत की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सुशांत सिंह राजपूत और दिशा सालियान के निधन के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुझे दो बार फोन कर यह कहने को कहा कि यह मंत्री की कार नहीं थी। यह हम पर दबाव बनाने की कोशिश थी। दिशा की मां ने आरोप लगाया है .

बांबे हाई कोर्ट ने भाजपा विधायक गिरीश महाजन को 10 लाख रुपये जमा कराने को कहा

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई उच्च न्यायालय ने भाजपा विधायक गिरीश महाजन की एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान 10 लाख रुपये जमा कराने के निर्देश दिए हैं। महाजन ने यह याचिका विधानसभा अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया में सरकार द्वारा किए गए बदलाव को चुनौती देते हुए दायर की है। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता व न्यायमूर्ति मकरंद कर्णिक की पीठ ने गिरीश महाजन द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए महाराष्ट्र विधानसभा (एमएलए) रूल्स के नियम छह व नियम सात को बदलने के राज्य सरकार के फैसले को जनहित याचिका के जरिए चुनौती दी है। ये दोनों नियम सदन के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव से संबंधित हैं। इस मामले की सुनवाई कर रही उच्च न्यायालय की पीठ ने कहा कि हमें गिरीश महाजन के इरादों पर संदेह है।

यदि उन्हें वास्तव में लगता था कि राज्य सरकारों द्वारा किया गया संशोधन मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, तो वह पहले हमारे पास क्यों नहीं आए। वह 11 घंटे पहले ही हमारे पास क्यों आए? जबकि राज्य सरकार ने यह अधिसूचना करीब ढाई माह पहले जारी की थी। इसलिए हमने उनसे 10 लाख रुपये जमा कराने को कहा है।

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की जमानत पर फैसला 14 मार्च को

मुंबईः मनी लांड्रिंग मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की जमानत याचिका पर विशेष अदालत 14 मार्च को अपना फैसला सुनाएगी। मनी लांड्रिंग से जुड़े एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल देशमुख को गिरफ्तार किया था और वह इस समय न्यायिक हिरासत में हैं। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि अनिल देशमुख, जो उस समय गृह मंत्री थे, ने मुंबई के कुछ चुनिंदा पुलिस अधिकारियों को रेस्तरां और बार से प्रति माह 100 करोड़ रुपये वसूलने के लिए कहा था। हालांकि अनिल देशमुख ने इन आरोपों से इन्कार किया है। आरोप लगने के बाद अनिल देशमुख को अपना पद छोड़ना पड़ा था। सीबीआइ ने प्रारंभिक जांच के बाद अनिल देशमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।गौरतलब है कि सीबीआइ अधिकारियों ने भ्रष्टाचार के मामले में शुक्रवार को आर्थर रोड जेल में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख का बयान दर्ज किया था। एक अधिकारी ने

कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने गुरुवार सुबह से अनिल देशमुख का बयान दर्ज करना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा कि सीबीआइ की एक टीम मुंबई की आर्थर रोड जेल पहुंची, जहां अनिल देशमुख इस समय बंद हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री अनिल देशमुख के वकील भी इस दौरान मौजूद थे। मनी लांड्रिंग के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद राकांपा के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि अनिल देशमुख, जो उस समय गृह मंत्री थे, ने मुंबई के कुछ चुनिंदा पुलिस अधिकारियों को रेस्तरां और बार से प्रति माह 100 करोड़ रुपये वसूलने के लिए कहा था। अनिल देशमुख ने इन आरोपों से इन्कार किया है। सीबीआइ ने प्रारंभिक जांच के बाद महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

शरद पवार बोले-नवाब मलिक की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित, हम इसका विरोध करेंगे

पुणेः राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि पार्टी नेता और महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है और उन्हें भगोड़े अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम से जोड़ने का प्रयास किया गया, क्योंकि वह मुस्लिम हैं। उन्होंने मलिक के इस्तीफे की विपक्ष द्वारा उठाई गई मांगों को भी खारिज कर दिया। मलिक को प्रवर्तन निदेशालय ने 23 फरवरी को दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़ी मनी लांड्रिंग जांच में गिरफ्तार किया था। राकांपा प्रमुख ने कहा कि मलिक की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है। उसे दाऊद इब्राहिम से जोड़ा जा रहा है, क्योंकि वह मुस्लिम है। मलिक और उनके परिवार के सदस्यों को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है, लेकिन हम इसका विरोध करेंगे।मलिक के मंत्री पद से इस्तीफा देने की विपक्षी भाजपा की मांग के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और मलिक पर अलग-अलग मानदंड लागू किए जा रहे हैं।

मानहानि मामले में राहुल गांधी को पेशी से छूट अब 22 मार्च को होगी अगली सुनवाई

ठाणेः महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी की एक अदालत ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि के एक मामले में सुनवाई के दौरान पेशी से छूट दे दी। अदालत को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ राहुल गांधी द्वारा की गई कथित टिप्पणियों को लेकर शिकायतकर्ता राजेश कुंटे द्वारा दायर किए गए मानहानि मामले में सोमवार को संबंधित साक्ष्य दर्ज करने थे। राहुल गांधी के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल विधानसभा चुनाव की वजह से व्यस्त हैं, इसलिए पेशी से छूट

दी जाए। इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 22 मार्च तय की है। राजेश कुंटे ने वर्ष 2014 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दाखिल किया था। उनका आरोप है कि राहुल गांधी ने एक चुनावी सभा में कहा था कि महात्मा गांधी की हत्या के पीछे संघ का हाथ था। अदालत ने वर्ष 2018 में राहुल के खिलाफ आरोप गठित किया था।

गौरतलब है कि कि आरएसएस के कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने भिवंडी में राहुल गांधी का भाषण सुनने के बाद उनके खिलाफ 2014 में यह मुकदमा दायर किया था। भाषण में कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया था कि महात्मा गांधी की हत्या के पीछे संघ का हाथ था। कुंटे ने दावा किया है कि इस बयान से संघ की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। इसी तरह गुजरात में सूरत से भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने राहुल के खिलाफ अप्रैल 2019 में भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धारा 499 व 500 के तहत मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। 13 अप्रैल, 2019 को कर्नाटक के कोलार में एक रैली को संबोधित करते हुए .

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

जीत-हार में लड़ने-भिड़ने की बीमारी

भारतीय समाज में चुनाव के जरिये अपनी सरकार बनाना या सरकार को हटाने का अनुभव सौ साल से भी कम का है, लेकिन चुनाव की प्रक्रिया का समाज में जो प्रभाव पड़ रहा है, वह बहुत चिंताजनक है। चुनाव के जरिये जनप्रतिनिधियों के चयन के दौरान अपने विरोधी दलों को निकृष्ट और समाज के खलनायक के रूप में चित्रित करने की बीमारी रही है। कोई भी जनतांत्रिक सरकार बिना सक्षम और समर्थ विरोधी दलों के चल ही नहीं सकती। मगर हम चुनाव में जनता को यह समझाने की कोशिश करने लगे हैं कि मेरे दल द्वारा नामांकित व्यक्ति ही आपके हितों का एकमात्र चौकीदार है, बाकी सब आपके अहितकारी हैं। साफ है, हम चुनाव की प्रक्रिया को जनतंत्र-निर्माण के बजाय व्यक्ति की महिमा और दलों के एकाधिकार का अवसर बना रहे हैं। यह पूरी तरह से राजनीतिक असहिष्णुता और सीमित तानाशाही की पृष्ठभूमि बनाता है। चुनाव को हुल्लड़ और जानलेवा मुकाबले के रूप में बदलना चुनाव और जनतंत्र के बीच में अंतर्विरोध पैदा करना है। चुनाव की एक शर्त उसे मित्र भाव से लड़ना है, क्योंकि विभिन्न दलों के उम्मीदवार एक ही नाव में सवार होते हैं। विजयी हों या पराजित, उम्मीदवारों और दलों के हाथों में जनतंत्र की पतवार दिए बिना हमारी नाव एकाधिकारवाद की दलदल में फंसने को अभिशप्त हो जाएगी। अफ्रीका में और दक्षिण पूर्व एशिया में यह खतरा सामने भी आ चुका है। पहले दल विशेष को भारी बहुमत मिलना, फिर उसके द्वारा सदन में संख्या बल के आधार पर पूरी व्यवस्था को एक दल आधारित बना देना, और उसके बाद किसी एक व्यक्ति को आजीवन राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री चुनकर लोगों के मतदान व बहुमत के दावे के आधार पर जनतंत्र को ही दफ्न कर देने का काम नाइजीरिया, युगांडा से लेकर इंडोनेशिया और मलयेशिया में हो चुका है। दलों के बीच चुनाव जीतने की चुनौती को एक निश्चित आचार संहिता के दायरे में लाने का समय आ गया है। जैसे, क्रिकेट या फुटबॉल के खेल में चैंपियन बनने के लिए सभी टीमों पर अपने सर्वोत्तम प्रदर्शन की जिम्मेदारी तो है, लेकिन ट्रॉफी जीतने की इच्छा पूरी करने के लिए प्रतिद्वंद्वी दल के खिलाड़ियों को घायल करने या मैच के रेफरी या अंपायर को आतंकित करने की छूट किसी को नहीं दी जा सकती, क्योंकि दबंगई से गोल करना या विकेट लेना खेल को ही खत्म कर देता है। इसी तरह, चुनाव के अपराधीकरण और चुनावी जीत-हार को मरने-मारने की बीमारी से जोड़कर क्या हम जनतंत्र की चिता नहीं सजा रहे हैं?

बीच युद्ध में फंस गए हैं जो छात्र

किसी युद्धग्रस्त इलाके में फंसे आम लोगों को बाहर निकालना कतई आसान नहीं होता। एक तरीका यह है कि लोग वहां से पलायन करें और नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचे, जहां से उनके बचाव का रास्ता खोजा जाए। हम भारतीयों के लिए 1991 का खाड़ी युद्ध इसका एक बड़ा उदाहरण है, जिसमें कुवैत में फंसे तकरीबन एक लाख से अधिक भारतीयों को हवाई जहाज से वापस लाया गया था। हालांकि, इसमें कूटनीति की भी बड़ी अहम भूमिका थी, क्योंकि इराक के शासक सद्दाम हुसैन के भारत के साथ अच्छे संबंध थे। यमन युद्ध में भी, जो बेशक गृह युद्ध था, कमोबेश ऐसा ही हुआ था। मगर तब और आज के हालात में एक बड़ा फर्क यह है कि उस समय जंग शुरू नहीं हुई थी। युद्ध शुरू होने से पहले ही भारत ने अपने नागरिकों को निकाल लिया था साफ है, आज कूटनीतिक पेचीदगियां काफी ज्यादा हैं। पिछले दिनों जब यूक्रेन पर हमला बोला गया, तो बहुत सारे भारतीय उन इलाकों में फंस गए, जो रूस के सीधे निशाने पर थे। इसमें बेहतर उपाय तो यही था कि भारत सरकार की एडवाइजरी का संजीदगी से संज्ञान लिया गया होता। मगर इसमें भारतीयों, खासकर विद्यार्थियों के सामने तीन मुश्किलें आ खड़ी हुईं। पहली, यूक्रेन के लोगों को, यहां तक कि वहां की सरकार को भी यह आशंका नहीं थी कि उन पर हमला होगा। दूसरी समस्या, विश्वविद्यालयों ने छात्रों को यह आगाह किया गया था कि अगर वे अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़कर वापस भारत लौटे, तो उनका पूरा सेमेस्टर बरबाद हो सकता है और यह भी संभव है कि उनका दाखिला खारिज हो जाए। और तीसरी समस्या थी, हवाई टिकट के ऊंचे दाम। बहरहाल, ह्यऑपरेशन गंगाह्ल के बावजूद अब भी कई छात्र युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे हुए हैं। चिंता की बात यह है कि अब हमारे पास बहुत ज्यादा विकल्प भी नहीं हैं। युद्ध के बीच में यह उम्मीद करना बेमानी है कि कोई काफिला उनकी सुरक्षा के लिए बम-गोलाबारी के बीच जाएगा और उनको सुरक्षित बाहर निकाल लाएगा। आखिर युद्धग्रस्त क्षेत्रों में जाने का खतरा कौन मोल लेगा? यूक्रेन के कई इलाकों में तो आलम यह है कि सड़कों पर टैंक दौड़ रहे हैं और अनवरत हवाई हमले हो रहे हैं, जिसमें जान-माल का नुकसान हो रहा है। हालांकि, कूटनीतिक तरीके से रास्ता निकालने की कोशिशें भी हो रही हैं। इसके लिए खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दूतावास के अधिकारीगण तत्पर हैं। रूस और यूक्रेन से बातचीत करके यह कोशिश हो रही है कि ऐसा कोई रास्ता निकाला जाए अथवा एक वक्त मुकर्रर किया जाए, जब संघर्ष-विराम हो और भारतीय छात्रों की वतन-वापसी की सुरक्षित राह तैयार हो सके। इस बात पर दोनों देशों से रजामंदी भी मिल चुकी है। मगर पिछले दो-तीन दिनों में यह भी दिखने में आ रहा है कि भारतीयों का ऐसा कोई काफिला ज्यों ही बाहर निकलने को तैयार होता है, गोलाबारी शुरू हो जाती है और सायरन बजने लगती हैं। नतीजतन, छात्रों को वापस बंकर में जाना पड़ता है।

फिलहाल यह तो ठीक-ठीक नहीं कहा जा सकता कि आखिर इसकी वजह क्या है? मगर यह अंदेशा जताया जा रहा है कि संघर्ष-विराम का आदेश शायद फौज के कमांडेंट स्तर के अधिकारियों तक नहीं पहुंच सका है। एक आशंका यह भी है कि भारतीयों के खिलाफ स्थानीय स्तर पर कोई सुनियोजित साजिश हो रही हो। तथ्य यह भी है कि युद्ध में कोई पक्ष यह नहीं चाहता कि विपक्ष को किसी तरह का कोई लाभ मिले। उनमें यह डर बना रहता है कि संघर्ष-विराम की आड़ में दुश्मन फौज अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है। यूक्रेन इन्हीं पेचीदगियों से अभी जूझ रहा है। क्या इसका कोई समाधान है? जंग के बीच में तो शायद नहीं। लेकिन यदि किसी एक पक्ष का संघर्षग्रस्त इलाके पर वर्चस्व हो जाए, तो उससे बातचीत करके बीच का रास्ता निकाला जा सकता है। दिक्कत यह भी है कि बहुत से भारतीय विद्यार्थी रूस की सीमा के नजदीक फंसे हैं। उनको अगर वहां से बाहर निकलना है, तो पूर्वी यूक्रेन से दो-ढाई हजार किलोमीटर का रास्ता तय करके उन्हें मुल्क के पश्चिमी हिस्से में पहुंचना होगा और किसी अन्य देश की सीमा पार करनी होगी। मगर युद्ध के बीच में यह भी आसान काम नहीं।

ऐसे में, एक विकल्प यह हो सकता है कि इन छात्रों को रूस की सरहद पार कराई जाए और वहां से भारत बुलाया जाए। इसके लिए रूस तो राजी है, लेकिन यूक्रेन को आपत्ति है। तीसरा विकल्प यह है कि रूस के पड़ोसी देश बेलारूस होकर भारतीय छात्रों को लाया जाए। पश्चिमी सरहद से लगने वाले हंगरी, पोलैंड और रोमानिया से बच्चे जब निकल सकते हैं, तो बेलारूस की तरफ भी उनको भेजा जा सकता है।

मतगणना स्थल पर समर्थकों का जमावड़ा कुछ ही देर में शुरू होगी मतगणना

गोरखपुरः विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के मतगणना की तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर के पांच भवनों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गुरुवार की सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी। सुबह आठ बजे सभी पोस्टल बैलेट (सर्विस वोटर के मतों सहित) गिनती शुरू होगी। यह गिनती सभी मत समाप्त होने तक जारी रहेगी। इसी बीच सुबह 8.30 बजे से ईवीएम में पड़े मतों की गिनती भी शुरू हो जाएगी।मतगणना समाप्त होने के बाद मिलान के लिए हर विधानसभा के पांच-पांच बूथों के वीवीपैट में पड़े मतों की गिनती भी की जाएगी। स्ट्रांग रूम का सील खोलने का निर्णय रिटर्निंग आफिसर (आरओ) लेंगे। अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों एवं उनके एजेंटों को आरओ की ओर से स्ट्रांग रूम खुलने का समय बताया गया है। मतगणना के लिए 750 कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।गोरखपुर जिले की नौ विधानसभा सीटों पर छठे चरण में तीन मार्च को वोट डाले गए थे। जिले में 56.26 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। मतदान समाप्ति के साथ ही 109 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया था। माना जा रहा है कि सुबह नौ बजे के बाद रुझान आने शुरू हो जाएंगे। दोपहर बाद एक बजे तक स्थिति काफी हद तक साफ हो जाएगी

और अपराह्न तीन बजे तक अधिकतर विधानसभा क्षेत्रों के नतीजे आ जाएंगे। जिले में 35 लाख 90 हजार 763 मतदाता हैं और इनमें से 20 लाख 20 हजार 227 ने वोट डाला है।ईवीएम के मतों की गिनती के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में 14 टेबल बनाए गए हैं। पोस्टल मतों की गिनती के लिए चार-चार टेबल तथा ईटीपीबीएस के लिए एक टेबल बनाया गया है। एक चक्र में 14 बूथों के ईवीएम में पड़े मतों की गिनती होगी। चिल्लूपार में मतगणना 37 चक्रों तक चलेगी। 36 चक्रों में 14 टेबल पर तथा 37वें चक्र में सात टेबल पर मतगणना होगी। यहां का परिणाम सबसे बाद में आएगा। इसी तरह कैंपियरगंज में 33 चक्र में, पिपराइच में 33 चक्र, गोरखपुर शहर में 34 चक्र, गोरखपुर ग्रामीण में 33 चक्र, सहजनवा में 33 चक्र, खजनी में 33 चक्र, चौरी चौरा में सबसे कम 29, बांसगांव में 34 चक्र में मतगणना होगी। सबसे कम चक्र की गणना चौरी चौरा में होगी इसलिए उम्मीद की जा रही है कि चौरी चौरा का परिणाम सबसे पहले आएगा।गोरखपुर विश्वविद्यालय के विधि संकाय के पीछे बैडमिंटन हाल में 325 खजनी विधानसभा के मतों की गिनती होगी तो कला संकाय में 327 बांसगांव व 326 चौरी चौरा विधानसभा क्षेत्रों के मत गिने जाएंगे।

322 गोरखपुर शहर विधानसभा के मतों की गिनती वाणिज्य संकाय भवन में होगी। दीक्षा भवन के बगल में कन्वेंशन हाल में 328 चिल्लूपार विधानसभा के मतों की गिनती होगी।

लालू प्रसाद यादव के स्वास्थ्य को लेकर बड़ी खबरः लगातार खराब हो रही किडनी, अब डायलिसिस जरूरी

पटनाः चारा घोटाला में सजा पाकर जेल की सजा काट रहे राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की तबीयत फिर बिगड़ गई है। उनकी किडनी 80 प्रतिशत से ज्यादा खराब है। इसमें कोई सुधार नहीं है, बल्कि पहले की तुलना में अधिक खराब हो गई है। ताजा रिपोर्ट आने के बाद दवा की खुराक या दवा बदलने पर विचार किया जा रहा है। वे दो दिनों से सुस्त दिख रहे हैं। हालात ऐसे हीं रहे तो उनकी डायलिसिस करानी पड़ सकती है। लालू स्वास्थ्य कारणों से वे फिलहाल रिम्स (अस्पताल) के पेइंग वार्ड में भर्ती हैं।

मिली जानकारी रिम्स में मंगलवार को लालू प्रसाद यादव के सिरम क्रेटेनाइन लेवल की जांच की गई, जो पहले के 3.5 से बढ़कर 4.1 हो गया था। सिरम क्रेटेनाइन जांच के आधार पर किडनी के काम करने की क्षमता का पता लगाया जाता है। इसकी बढ़ोतरी से किडनी फंक्शन में कमी आने का पता चलता है। डॉक्टरों के अनुसार ऐसे में लालू प्रसाद यादव का डायलिसिस कर उनके रक्त को साफ करने की जरूरत पड़ सकती है।लालू का इलाज कर रहे डॉ. विद्यापति ने बताया कि उनका ब्लड प्रेशर सामान्य है। ब्लड शुगर की स्थिति भी ठीक है। उनकी किडनी सहित अन्य बीमारियों की मॉनिटरिंग भी लगातार की जा रही है।विदित हो कि लालू किडनी सहित कई बीमारियों के मरीज हैं।

यूपी के लिए योगी ही उपयोगी, भगवा लहर में फिर सिमटी सपा; बसपा के अस्तित्व पर संकट

लखनऊः उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के नतीजों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि मतदाताओं के बीच में न तो ह्यमोदी मैजिकह्ल कम हुआ है और न ही लहर पर कोई असर है। हां, इस बीच विकासवाद की राजनीति के प्रतीक बनकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जरूर उभरे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी जनसभा में ह्ययूपी के लिए योगी ही उपयोगीह्ल जैसा नारा देकर योगी के प्रति बढ़े जनविश्वास पर अपनी मुहर लगा दी।कोरोना महामारी के भयंकर भंवर, कृषि कानून विरोधी आंदोलन को गांव-गांव पहुंचाने के विरोधियों के प्रयास और विपक्षी एकजुटता के बावजूद योगी आत्मविश्वास से ह्यसुशासनह्ल की पतवार चलाते रहे और 37 वर्ष

बाद यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार की लगातार वापसी का इतिहास रच डाला। काफी हाथ-पैर मारने के बाद भी भाजपा को मिले पूर्ण बहुमत के मुकाबले सपा मझधार तक ही पहुंच सकी, जबकि बसपा और कांग्रेस गोते खाकर इस सत्ता संघर्ष में पूरी तरह डूबती नजर आईं।

वहीं, पंजाब में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाली आम आदमी पार्टी यहां खाता भी नहीं खोल सकी तीन दशक से अधिक समय बीत गया,

उत्तर प्रदेश के लिए यह मिथक बनता जा रहा था कि यहां कोई पार्टी लगातार दो बार सरकार नहीं बना पाती और नोएडा जाने वाले मुख्यमंत्री की सरकार चली जाती है।

कविता

कहै कबीर दीवाना-ओशो

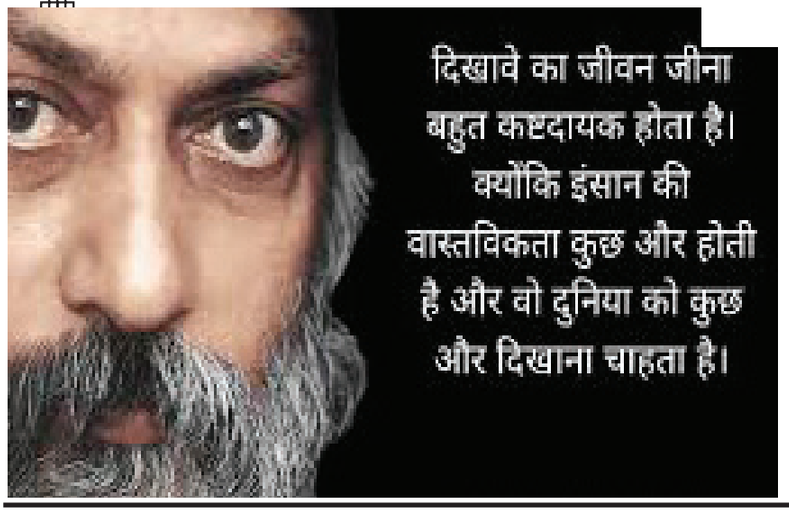

लेकिन जो व्यक्ति, व्यक्तियों को प्रेम करता है उसकी वस्तुओं के प्रति अपेक्षा हो जाती है। यह बहुत बड़ी घटना है। वह परिग्रही नहीं होता। और परमात्मा के प्रति उसकी तटस्थता हो जाती है।

तटस्थता का अर्थ है, वह परमात्मा के प्रति खुला होता है। निर्णय नहीं लिया उसने अभी कि परमात्मा है या नहीं, लेकिन खुला है। जिसको पश्चिम में एगनोस्टिक कहते हैं--अज्ञेयवादी, अनिर्णीत। उसका निर्णय मुक्त है। वह खड़ा है। वह कहता है कि हो भी सकता है, न भी हो। खोज से पता चलेगा। जाऊंगा। पहचानूंगा जब समय होगा। यह जरा बारीक बिंदु है, इसे ठीक से समझना।

व्यक्तियों के साथ प्रेम में दो स्थितियां बन रही हैं। एक स्थिति है कि अगर व्यक्ति न झुके तो संघर्ष। अगर व्यक्ति झुक जाए, तो वस्तु हो जाता है। दोनों ही विकल्प चुनने योग्य नहीं हैं। दो घटनाएं होंगी। इसलिए व्यक्तियों को प्रेम करनेवाले लोगों के जीवन में दो घटनाएं घटेंगी। **जारी.....**

खाना खाने के कितने समय बाद पीना चाहिए पानी?

पानी हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है। हर रोज 3-4 लीटर पानी पीने की सलाह दी जाती है। गलत तरीके और गलत समय पर पानी पीने से सेहत को नुकसान भी पहुंच सकता है। जी हां, जो लोग खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीते हैं उन्हें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। चलिए कामिनेनी अस्पताल, हैदराबाद के वरिष्ठ सामान्य चिकित्सक और मधुमेह विशेषज्ञ डॉक्टर मुक्शीथ कादरी से विस्तार से जानते हैं खाना खाने के बाद पानी कब पीना चाहिए? साथ ही खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीने के नुकसान भी जानें- खाना खाने के बाद पानी कब पीना चाहिए? डॉक्टर मुक्शीथ कादरी बताते हैं कि खाना खाने के तुरंत बाद कभी पानी नहीं पीना चाहिए। खाने को पचाने में लगभग 2 घंटे लगते हैं, इस बीच पानी पीने का असर पाचन तंत्र पर पड़ता है। इसलिए आपको खाना खाने के करीब 45-60 मिनट बाद पानी पीना चाहिए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि खाना खाने से आधे घंटे पहले पानी पी लें। खाना खाने के दौरान पानी पीने से बचें। खाना के साथ या खाने के तुरंत बाद पानी पीने से एसिडिटी, ब्लोटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। 1.खाना खाने के एक घंटे बाद पानी पीने से वजन नियंत्रण में रहता है। अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो खाने के दौरान पानी पीने से बचें। 2.खाना खाने के बाद सही समय पर पानी पीने से पाचन सही रहता है। पाचन तंत्र मजबूत रहता है।

रुबीना दिलैक ने ट्रोल्स की लगाई क्लास, कहा '1 इंच बढ़ने पर कहते हैं, अरे बुड्ढी लगने लगी है

रुबीना दिलैक ने ट्रोलर्स की जमकर क्लास लगाई है' उन्होंने कहा है कि अगर उनका अगर 1 इंच वजन बढ़ जाता है तो कई ट्रोल्स भद्दे कमेंट करते हैं कि अरे बुड्ढी लगने लगी है, चार्म चला गया है' रुबीना दिलैक ने टेलीविजन पर एक से बढ़कर एक शो में काम किया है' वह टेलीविजन की पसंदीदा कलाकार है' हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने दिल की बात की है'

रुबीना दिलैक ने बताया कि उनका पूरा परिवार उनके सभी निर्णयों का सपोर्ट करता है' उन्होंने शादी के बाद के जीवन के बारे में भी बताया' उन्होंने बताया कि किस प्रकार उनके पति अभिनव शुक्ला भी इस मामले में सपोर्टिव है और बिग बॉस से निकलने के बाद वह अभी भी दर्शकों के संपर्क में है और लगातार उनका मनोरंजन करने का प्रयास करती हैं' रुबीना दिलैक ने यह भी कहा कि कई बार ऐसा भी हुआ था कि उनके पास कोई काम नहीं था' हालांकि काम के प्रति जुनून ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहा' रुबीना दिलैक ने यह भी कहा है कि कई बार लोगों ने उन्हें बॉडी शेम किया है' उनके मोटापे का मजाक बनाया है' अगर उनका 1 इंच भी वजन बढ़ जाता था तो लोग कहते थे अरे बुड्ढी लगने लगी है, चार्म चला गया है, अरे भैंस हो गई है' इस प्रकार की नकारात्मक बातें उनके सोशल मीडिया पर लिखी जाती थी' रुबीना दिलैक ने यह भी कहा कि पति अभिनव शुक्ला उनके सभी निर्णय में साथ होते हैं उन्होंने कहा, ह्यमुझे लगता था कई लोग इस प्रकार के कमेंट से प्रभावित होते होंगे' मुझे लगता है लोगों को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए' ट्रोल्स को जानना चाहिए की एक सीमा होती है, उसे क्रॉस नहीं करना चाहिए.

39 साल की उम्र में एस श्रीसंत ने क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने 39 साल की उम्र में क्रिकेट के हर प्रारूप से अपने रिटायरमेंट की घोषणा कर दी। श्रीसंत ने बुधवार को ट्विटर पर एक वीडियो जारी करके अपने रिटायरमेंट की घोषणा की और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड, आइसीसी और केरल क्रिकेट एसोसिएशन का धन्यवाद अदा किया। उन्होंने अपने वीडियो में कहा कि ये मेरे लिए कठिन दिन है, लेकिन मैं लीग और टूर्नामेंट टीमें, केरल राज्य क्रिकेट संघ, बीसीसीआइ, वारविकशायर काउंटी क्रिकेट टीम, भारतीय एयरलाइंस क्रिकेट टीम, बीपीसीएल और आइसीसी, मेरे दोस्त, परिवार व फैंस का धन्यवाद अदा करता हूं। श्रीसंत ने इस रणजी सीजन में अपनी स्टेट टीम केरल के लिए खेलना शुरू किया था, लेकिन अचानक से ही उन्होंने रिटायरमेंट का फैसला किया। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर को भी अलविदा कह दिया जिसके जरिए वो फिर से भारत के लिए खेलने का सपना देख रहे थे। एस श्रीसंत ने भारत के लिए 27 टेस्ट मैच, 53 वनडे मैच और 10 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले थे। इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्होंने भारत के लिए 169 विकेट लिए थे। श्रीसंत साल 2007 में टी20 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय टीम के सदस्य थे जबकि वो साल 2011 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में भी भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा थे जिसे धौनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने जीता था। 2007 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में उन्होंने 4 ओवर में 44 रन देकर एक विकेट लिया था जबकि 2011 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में उन्होंने 8 ओवर में 52 रन दिए थे, लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली थी।

क्रिकेट के नियमों में किए गए इस बदलाव से गेंदबाजों को होगा फायदा

नई दिल्ली: क्रिकेट से जुड़े नियम बनाने वाली संस्था ने मुख्य रूप से क्रिकेट के 9 नियमों में बदलाव किया है। इसमें से कई नियमों का सीधा प्रभाव गेंदबाजों पर पड़ेगा। टी20 क्रिकेट के इस दौर में जब कहा जाता है कि सब कुछ बल्लेबाजों के माकूल किया जाता है तो ऐसे में एमसीसी के ये संशोधन गेंदबाजों को राहत देगी।

टी20 के इस दौर में जब बल्लेबाज हर तरह से 360 डिग्री एंगल में घूम कर बल्लेबाजी करते हैं तो गेंदबाजों के सामने मुश्किलें बढ़ जाती है। ऐसे में यदि गेंदबाज बल्लेबाज का पीछा करते हुए गेंद लेग साइड पर डाल दे तो अंपायर उसे वाइड करार दे देते हैं लेकिन नए संशोधन के बाद अंपायर के लिए ये फैसला करना आसान नहीं रह जाएगा क्योंकि वाइड का निर्णय इस बात पर लिया जाएगा कि बल्लेबाज कहां खड़ा है। अब यदि बल्लेबाज गेंद का पीछा करता है और वो उसे खेलने में सक्षम होता है तो उसे वाइड नहीं दिया जा सकेगा।

अक्सर ऐसा जाता है कि जब बल्लेबाज कैच आउट होता है तो अगली गेंद पर नए बल्लेबाज की जगह नान स्ट्राइकर एंड पर खड़ा बल्लेबाज स्ट्राइक लेता है क्योंकि रन लेने के दौरान वो एक दूसरे को क्रास कर चुके होते हैं। ये गेंदबाजों के लिए मुश्किल भरा रहता है। लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा। कैच आउट होने की स्थिति में नए बल्लेबाज को ही अगली गेंद पर स्ट्राइक लेना होगा। लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर ऐसा हो तो ये नियम लागू नहीं होगा।

ईशानी जौहर के हुए भारतीय क्रिकेटर राहुल चाहर, गोवा में समुद्र किनारे लिए सात फेरे

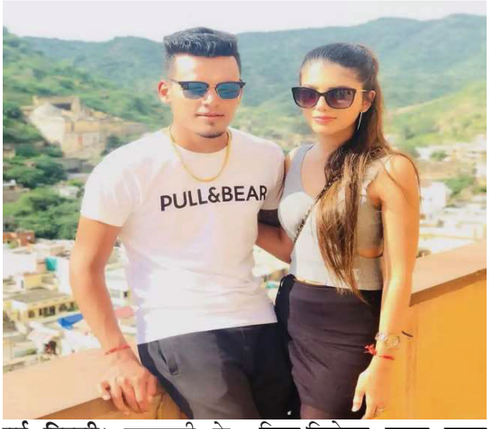

नई दिल्ली। ताजनगरी के भारतीय क्रिकेटर राहुल चाहर बुधवार को ईशानी जौहर के साथ शादी के पवित्र बंधन में बंध गए। गोवा स्थित डब्ल्यू होटल में शाम को उनकी शादी की रस्में हुईं। इसके फोटो व वीडियो इंटरनेट मीडिया में वायरल हो रहे हैं, जिसमें युगल काफी खुश नजर आ रहा है। इससे पूर्व सुबह हल्दी की रस्म में राहुल चाहर ने जमकर डांस किया।क्रिकेटर राहुल चाहर ने बेंगलुरु निवासी गर्लफ्रेंड ईशानी के साथ दिसंबर, 2019 में जयपुर में सगाई की थी। कोविड काल में उनकी शादी को आगे बढ़ाना पड़ा था। मंगलवार को दोनों की मेहंदी की रस्म वेस्टर्न गोवा स्थित होटल डब्ल्यू में हुई। इसमें राहुल चाहर ने नारंगी रंग का वेस्टर्न कोट और ईशानी ने क्रीम कलर का फ्लोरल प्रिंट वाला लहंगा-चोली पहनी थी।

Begin your Journey to a Better Life
With Peace, Love, & Happiness

YOGA classes available
Session 5 days a week
Offline & Online

FREE TRIAL CLASS

C- 505, Badri bldg.
Mathuradas road,
Kandivali (W),
Mumbai- 400067.

YOGA
BY ZAINAB
70213 01200

ICON OPTICAL GALLERY

- Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free.....
- Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free.....
- Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards.....
- Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.
- We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152
murtaza12152@yahoo.com
Shop No. 52, R.N.A. Arcade,
Lokhandwala Complex,
Andheri (West),
Mumbai - 400 053

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub

Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items

And much more.....all under one roof

Best business apportunity for housewives
to become reseller & earn at zero investment

Farida Rampurawala :
8898065152
RH 1, C 26 row house number,
Swamy Ayyappam temple road,
Sector. 8, New Mumbai,
Vashi-400 703

Mental health matters.

Whats App: +91 720421116
* I don't prescribe medicines

INDIVIDUAL COUNSELING
TEEN COUNSELING
COUPLES/MARRIAGE COUNSELING

Dr Vihan Sanyal
PSYCHOTHERAPIST

WWW.MINDFACTORY.CO.IN

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल : newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net